THE ENGLISH AND FOREIGN LANGUAGES UNIVERSITY, HYDERABAD

B.A. (Hons./Research) Hindi SEMESTER - II : COURSE DESCRIPTION

February to July- 2026

Course title	**हिंदी साहित्य का इतिहास- (**आधुनिक काल**)** History of Hindi Literature (Modern Period)
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	a. Existing course without changes
Course code	BAHINC - 120
Semester	II
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis for **BA courses only**)
Day/Time	Thursday, 9:00 am to 11:00 am Friday 11:00 am to 1:00 pm
Name of the teacher/s	Prof. Shyamrao Rathod & Dr. Malobika
Course description	**Include the following in the course description** i) भारतीय नवजागरण की कड़ी में हिन्दी नवजागरण के फलस्वरूप हिन्दी साहित्य में आधुनिकता के उद्भव और विकास का ज्ञान इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से होगा। **ii) उद्देश्य :** ▪ भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास के साथ तत्कालीन युगबोध से अवगत हो पायेगें। ▪ विभिन्न आधुनिक साहित्यिक विधाओं, प्रवृत्तियों के उद्भव तथा विकास का भी ज्ञान प्राप्त होगा ▪ स्वतंत्रता पूर्व तथा स्वातंत्र्योत्तर भारत में आधुनिक जीवन मूल्यों के विकास की दशा और दिशा का परिचय मिलेगा। ▪ हिन्दी साहित्य ने आधुनिक भारत के निर्माण की जो वृहद् परिकल्पनायें प्रस्तुत की हैं, उसकी मूल अवधारणाओं को समझा जा सकेगा। ▪ आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास के आधार पर आधुनिक भारत के सामाजिक सांस्कृतिक-राजनीतिक विकास का सार रूप में आकलन प्रस्तुत करता है छात्रों में इसकी समझ बढ़ेगी ,। **पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ▪ हिंदी साहित्य के विकास की गति और दिशा को रेखांकित करना है। ▪ आधुनिक काल के विभिन्न काव्य आंदोलनों को समझ पायेंगे। ▪ स्वाधीनता आंदोलन में हिंदी कवियों एवं रचनाकारों की भूमिका से परिचित हो सकेंगे। ▪ आधुनिक साहित्य एवं इतिहास के अतंर्गत बदलते भारत का आस्वाद करना तथा विश्लेषण से परिचित हो पायेंगे। **iii) Learning Outcomes:** a) डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes) & b) वैल्यू एडिशन (Value Addition) • हिन्दी साहितय के आधुनिक काल की विशेषताओं को समझना। • आधुनिक काल के प्रमुख प्रवृत्तियों एवं परिस्थितियों को जानना। • इस काल के प्रमुख कवियों एवं उनके रचनात्मक योगदान से परिचित होना। • आधुनिक काल तक के साहित्यिक विकास यात्रा को व्यवस्थित रूप से समझना। • साहित्येतिहास की समझ को विकसित करना। • आधुनिक काल की परंपरा, इतिहास और प्रतिनिधि कवियों को पूर्णतः समझने में सक्षम होगे। **इकाई-1 :-** ● आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। ● भारतेन्दु युग: विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार और रचनाएँ।

	● द्विवेदी युग: विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार और रचनाएँ। **इकाई-2:-** ● छायावाद युग की प्रवृत्तियाँ, प्रमुख साहित्यकार और रचनाएँ, प्रयोगवाद, प्रगतिवाद और नई कविता की विशेषताएँ। **इकाई-3:-** ● हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएँ नाटक कहानी, उपन्यास, निबन्ध का विकास। **इकाई -4:-** ● हिन्दी आलोचना, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा और रिपोर्ताज तथा अन्य गद्य विद्याओं का विकास।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning ▪ हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल। ▪ छायावाद युग की प्रवृत्तियाँ और नई कविता की विशेषताएँ। ▪ हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएँ नाटक कहानी। ▪ हिन्दी आलोचना।
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % [Assignment (20), {Presentation (10), Class test (10) and Viva (10)} best of Two] End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading:** ● सिंह बच्चन : हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 1996 ● तिवारी रामचन्द्र : हिन्दी गद्य का इतिहास, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी 1992 **Additional reading:** ● चतुर्वेदी रामस्वरूप : हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019 ● सिंह नामवर : आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली 2011

Course title	**सगुण एवं रीतिकालीन हिन्दी काव्य** **Sagun and Ritikaleen (Medieval) Hindi Poetry**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	b. Existing course without changes
Course code	BAHINC-125
Semester	II
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for BA courses only**)
Day/Time	Friday 09:00 am to 11:00 am, Monday 11:00 am to 01:00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Priyadarshini
Course description	**Include the following in the course description** **i)** साहित्य के आरंभ से ही कविता ने समय और समाज को प्रभावित किया है और मानवीय आचरण को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। कालक्रम से विद्यार्थी युगबोध को ठीक से जान सकेंगे। **ii) उद्देश्य :** ● छात्र कविता के माध्यम से सगुण पक्ष और उसमें निहित दृष्टिकोण को जान सकेंगे।

- विद्यार्थियों को हिंदी के मध्यकालीन और रीतिकालीन कवियों से परिचित कराना, मुख्य कविताओं के माध्यम से तत्कालीन साहित्य की जानकारी देना तथा कविताओं का अध्ययन विश्लेषण करने की पद्धति सीख सकेंगे।
- 'कला-काल', 'अलंकृत काल' 'श्रृंगारकाल' आदि नामों से अभिहित रीतिकालीन हिन्दी साहित्य पर भारत की मध्यकालीन दरबारी संस्कृति, पुरुष सत्तात्मक सामंती और भोगवादी मूल्यों, कलावादी संस्कारों का जिन परिस्थितियों में गहरा प्रभाव पड़ा उसका समाजशास्त्रीय ज्ञान विद्यार्थियों को होगा।
- साहित्य के समाजिक- राजनीतिक, सांस्कृतिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त होगी। अतः शिक्षण में हिंदी कविता छात्रों की दृष्टिकोण को और भी अधिक परिपक्व करेगी।

पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :

- सगुण काव्य की प्रवृत्तियों का मूल्यांकन कर पायेंगे।
- रीतिकालीन परिस्थितियों एवं विशेषताओं को ठीक से जान सकेंगे।
- रीतिकालीन काव्य से परिचित हो पायेंगे।
- रीतिकालीन रचनाकारों का काव्यगत वैशिष्ट्य को समझ पायेंगे।

iii) Learning Outcomes:

a) डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes) & b) वैल्यू एडिशन (Value Addition)

- सगुण एवं रीतिकालीन हिन्दी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों सामाजिक परिस्थितियों तथा भाषिक वैशिष्ट्य से परिचित हो सकेंगे।
- सगुण एवं रीतिकालीन हिन्दी काव्य बोध की दिशा और प्रवृत्तियों की समझ को विकसित कर सकेंगे।
- सगुण एवं रीतिकालीन हिन्दी काव्य की संवेदना, संदेश एवं समीक्षा की क्षमता को बढ़ा पाऐंगे।
- सगुण एवं रीतिकालीन हिन्दी काव्य के माध्यम से ऐतिहासिक पक्ष को समझ पाऐंगे।

इकाई-1:-

- तुलसीदास
- सूरदास
- मीराबाई

इकाई-2 :-

- बिहारी
- घनानंद
- भूषण

इकाई-3 :- चयनित कवियों के काव्य का व्याख्या एवं विश्लेषण :

- तुलसीदास: तुलसीदास द्वारा रचित विनय पत्रिका/कवितावली के कुल पाँच पद।
- सूरदास: आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा संपादित 'भ्रमरगीत सार' से कुल पाँच पद। पद सं. 10, 23, 24, 25, 52
- मीराबाई: विश्वनाथ त्रिपाठी द्वारा लिखित पुस्तक 'मीरा का काव्य' वाणी प्रकाशन से कुल पाँच।

पद :

1. म्हारां री गिरधर गोपाल दूसरा णां कूयां
2. माई सांवरे के रंग राची
3. मैं गिरधर के घर जाऊँ
4. नहिं सुख भावै थारो देसलड़ो रंगरुड़ो

	5. पग बाँध घुंघरू गाच्यांरी
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning: ● तुलसीदास: तुलसीदास द्वारा रचित विनय पत्रिका/कवितावली के कुल पाँच पद। ● सूरदास: आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा संपादित 'भ्रमरगीत सार' से कुल पाँच पद। ● मीराबाई: विश्वनाथ त्रिपाठी द्वारा लिखित पुस्तक 'मीरा का काव्य'
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % [Assignment (20), {Presentation (10), Class test (10) and Viva (10)} best of Two] End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading** 1. डॉ. नगेन्द्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 2. किशोरीलाल घनानन्द : काव्य और आलोचना, साहित्य भवन, इलाहाबाद **Additional reading: संदर्भ ग्रंथ** 1. भटनागर रामरतन : केशवदास एक अध्ययन, किताब महल, इलाहाबाद 1947 2. शर्मा किरणचन्द्र : केशवदास: जीवनी, कला और कृतित्व भारती साहित्य मंदिर, दिल्ली 1961

Course title	**हिन्दी नाटक एवं एकांकी** **Hindi Drama and Dramaology**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	c. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	BAHINC - 130
Semester	I
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for BA courses only**)
Day/Time	Monday 09:00 am to 11.00 am & Wednesday 11.00 am to 01.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Promila
Course description	**Include the following in the course description:** i) प्रस्तुत पाठ्यचर्या से विद्यार्थी हिन्दी नाट्य परंपरा का सम्यक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। **ii) उद्देश्य:** ● नाटक एवं एकांकी के स्वरूपगत वैशिष्ट्य से परिचित होंगे और हिन्दी नाट्य परंपरा के काल क्रमिक परिवर्तनों को समझ सकेंगे। ● नाटक एवं एकांकी विधा के ज्ञान में अभिवृद्धि होगी। ● विद्यार्थी हिन्दी नाट्य साहित्य के अध्ययन के उपरांत नाट्य विश्लेषण एवं अभिनय की क्षमता विकसित कर सकेगा। ● भारतीय रंगमंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज करते हुए अभिनय की क्षमता विकसित कर सकेंगे। **पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● नाटक एवं एकांकी के स्वरूप, रचना-विधान और रंगमचीय पक्ष से परिचित हो पायेंगे। ● हिंदी नाटक एवं एकांकी में रचनात्मक विशेषताओं को जानपायेंगे। ● हिंदी नाटक एवं एकांकी का साहित्यिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य को समझ पायेंगे। **iii) Learning Outcomes :** a) डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes) & b) वैल्यू एडिशन (Value Addition) & c) स्किल एनहांसमेंट (Skill Enhancement) ● नाटक एवं एकांकी विधा के तात्विक स्वरूप से परिचित हो पायेगे।

	• नाटक एवं एकांकी के ऐतिहासिक विकास क्रम महत्व एवं मूल्याकांन करने की क्षमता को विकसित कर पायेंगे। • नाटक एवं एकांकी के माध्यम से सामाजिक चिंतन की समझ बढ़ेगी। • नाटक एवं एकांकी के माध्यम से लैंगिक असमानता मानवीय मूल्य सामाजिक भेदभाव के प्रति जागरूक होगें। • व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य में नाटक एवं एकांकी की भूमिका को समझ सकेंगे। • विद्यार्थी नाटक एवं एकांकी का कैशल, संवाद योजना इत्यादि क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे। **इकाई-1** • हिन्दी नाटक एवं एकांकी : विकास यात्रा - भारतेंदु युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग, समकालीन हिन्दी नाटक **इकाई- 2 :-** चयनित नाटकों की व्याख्या एवं विश्लेषण **नाटक** • भारतेंदु हरश्चिंद्र- अंधेर नगरी • जयशंकर प्रसाद- ध्रुवस्वामिनी • धर्मवीर भारती- अंधा युग • जगदीशचंद्र माथुर- पहला राजा • शंकरशेष- एक और द्रोणाचार्य • भीष्म साहनी- कबीरा खड़ा बाजार में **इकाई- 3 :-** चयनित एकांकी व्याख्या एवं विश्लेषण **एकांकी** • रामकुमार वर्मा- औरंगजेब की आखिरी रात • भुवनेश्वर- स्ट्राइक • मोहन राकेश- अंडे के छिलके • विपिन अग्रवाल- तीन अपाहिज
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning : • हिन्दी नाटक एवं एकांकी : विकास यात्रा • भारतेंदु हरश्चिंद्र- अंधेर नगरी • रामकुमार वर्मा- औरंगजेब की आखिरी रात
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % [Assignment (20), {Presentation (10), Class test (10) and Viva (10)} best of Two] End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading : संदर्भ ग्रंथ** • द्विवेदी हजारी प्रसाद : नाट्य शास्त्र की भारतीय परम्परा और दशरूपक, नयी दिल्ली, राजकमल प्रकाशन • बैरंडर मैथ्यूज : नाटक साहित्य का अध्ययन/ (अनु. इन्दुजा अवस्थी) नयी दिल्ली आत्माराम एंड संस, • द्विवेदी रेवाप्रसाद : नाट्यशास्त्र/ /भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला **Additional reading : संदर्भ ग्रंथ** • कुमार सिद्धनाथ : प्रसाद के नाटक/ /अनुपम प्रकाशन, पटना

	- दीक्षित सुरेन्द्रनाथ : भरत एवं भारतीय नाट्य कला, नयी दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास,बारलिंगे - सुरेन्द्र. भारतीय सौन्दर्य सिद्धान्त की नई परिभाषा/नयी दिल्ली, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली - जैन नेमिचन्द्र : रंगदर्शन, नयी दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन - जैन नेमिचन्द्र : रंग परम्परा, नयी दिल्ली, वाणी प्रकाशन. - रस्तोगी गिरीश : रंगभाषा, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, - कीथ ए.बी. : संस्कृत नाटक, नयी दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, - आचार्य विश्वेश्वर : हिन्दी अभिनव भारती, नयी दिल्ली, हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दि.वि.वि. - अवस्थी सुरेश : सामाजिक, नयी दिल्ली, राजकमल प्रकाशन

Course title	**कार्यालयी हिन्दी एवं प्रयोग** **Functional Hindi & Usages**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	d. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	BAHINC - 135
Semester	I
Number of credits	03
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Wednesday, 9:00 am to 11:00 am and Thursday11.00 am to 1.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Malobika
Course description	**Include the following in the course description:** i) कार्यालयी हिन्दी आज के परिदृश्य में हिन्दी साहित्य की विविध विधाओं के अतिरिक्त अन्य प्रशासनिक क्षेत्रों में कार्य व्यवहार हेतु उपादेय है। **ii) उद्देश्य :** ● सरकारी एवं गैर सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का व्यवहार किया जाना संविधान के दिशा-निर्देशों के अनुरूप है। ● इस प्रश्न पत्र का अध्ययन करके छात्र कार्यालयी पत्राचार, वाणिज्यिक पत्राचार आदि से परिचित होंगे, इससे उन्हें भविष्य में सरकारी, गैर सरकारी कार्यालयों में हिन्दी माध्यम से कार्य करने की निपुणता पूर्व से ही प्राप्त हो जाएगी। ● रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे छात्र को एक नई दिशा प्राप्त होगी ,। **पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● कार्यालयी हिंदी एवं प्रयोग की स्थिति एवं महत्व को जान पायेंगे। ● हिंदी भाषा के प्रयोजनपरक रूपों की रोजगारपरक अवसरों के प्रति सजग होंगे। ● कार्यालयी हिंदी, अनुवाद, जनसंचार माध्यम, ई-लेखन आदि से परिचित हो पायेंगे। **iii) Learning Outcomes :** c) स्किल एनहांसमेंट (Skill Enhancement) & d) एम्प्लॉयबिलिटी क्वोशिएंट (Employability Quotient) ● सरकारी कार्यालयों को अनुवादकों की आवश्यकता होती है जो दस्तावेजो और अन्य सामग्री का अनुवाद कर सकेंगे । ● प्रशासनिक अधिकारी कार्यलयीन कार्यों में हिंदी भाषा का उपयोग करते है।

	• निजी कंपनियों में भी अनुवादकों की आवश्यकता होती है। • दस्तावेज प्रबंधन, प्रकाशन उद्योग, मीडिया, शिक्षा एवं अनुसंधान। • कार्यालय हिंदी में रोजगार के लिए हिंदी भाषा में प्रवीणता और कार्यलयीन कार्यों का ज्ञान आवश्यक है। **इकाई-1:-** • कार्यालयी हिन्दी का अभिप्राय तथा उद्देश्य कार्यालयी हिन्दी का क्षेत्र, सामान्य हिन्दी तथा कार्यालयी हिन्दी में अन्तर, कार्यालयी हिन्दी की स्थिति और संभावनाएँ। **इकाई-2:-** • पत्र की अवधारणा : स्वरूप और महत्त्व। पत्राचार के प्रकार : सामान्य परिचय। कार्यालय से निर्गत पत्र ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, आदेश, पृष्ठांकन, सूचनाएँ, निविदा, प्रेस विज्ञप्ति, पावती पत्र, स्वीकृति पत्र, प्रतिवेदन आवेदन सम्बन्धी पत्र - लेखन। **इकाई-3:-** • व्यावसायिक एवं वाणिज्यिक पत्राचार, व्यावसायिक पत्र की विशेषताएँ। व्यावसायिक एवं कार्यालयी पत्रों में अंतर। पूछताछ सम्बन्धी पत्र, संदर्भ पत्र, शिकायती पत्र, आदेश संबंधी पत्र, तकादा तथा भुगतान संबंधी पत्र निविदा सूचनाएँ, कोटेशन, इनवाइस बिल, बैंकिग और बीमा में हिन्दी। **इकाई-4:-** • टिप्पण का स्वरूप, विशेषताएँ और भाषा-शैली, संक्षेपण : अर्थ एवं विशेषताएँ, संक्षेपण विधि, संक्षेपण की उपयोगिता तथा भाषा शैली, विस्तारण: स्वरूप, अर्थ तथा परिभाषा, विस्तारण के तत्त्व और प्रक्रिया, विस्तारण का महत्त्व एवं उपयोगिता।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning: • कार्यालयी हिन्दी का अभिप्राय तथा उद्देश्य कार्यालयी हिन्दी का क्षेत्र। • व्यावसायिक एवं वाणिज्यिक पत्राचार, व्यावसायिक पत्र की विशेषताएँ। • पत्र की अवधारणा : स्वरूप और महत्त्व। • टिप्पण का स्वरूप, विशेषताएँ और भाषा-शैली, संक्षेपण : अर्थ एवं विशेषताएँ
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % [Assignment (20), {Presentation (10), Class test (10) and Viva (10)} best of Two] End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading: संदर्भ ग्रंथ** • शर्मा, चन्द्रपाल, कार्यालयी हिन्दी की प्रकृति, समता प्रकाशन, दिल्ली 1991 • गोदरे, डॉ. विनोद, प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2009 **Additional reading: संदर्भ ग्रंथ** • झाल्टे दंगल, प्रयोजनमूलक हिन्दी: सिद्धान्त और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016 पंचम संस्करण • 4. भाटिया कैलाश चन्द्र, प्रयोजनमूलक हिन्दी प्रक्रिया और स्वरूप, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली 2005